Title: Regarding release of Indian nationals languishing in Pakistani jails.

श्री अविनाश राय खन्ना (होशियारपुर) : पिछले दस दिनों से मैं यह प्रश्न उठा रहा हूं। मैं आपके द्वारा भारत सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि जितने भी भारतीय नौजवान पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं, उनको वापस लाने का प्रयास भारत सरकार पूरी तरह से नहीं कर रही है। पहले मैंने जो प्रश्न पूछे थे, उनके जवाब में यह बात आयी थी कि जिन लोगों की सज़ा पूरी हो गई और जिनकी राट्रीयता पक्की हो गई है, उनको जल्दी रिहा कर दिया जाएगा। लेकिन जिन बच्चों और नौजवानों की सज़ा पूरी हो गई है और राट्रीयता भी पक्की हो चुकी है, उनको अभी भी जेलों से रिहा नहीं किया गया है। मैं आपको एक घटना बताना चाहता हूं एक बच्चे की मां मेरे पास आयी और उसने मुझ से कहा कि मेरे आंसू सूख चुके हैं, लेकिन मेरा दर्द सुनने वाला कोई नहीं है।

मान्यवर, इसमें दो बातें हैं - पहली यह है कि वे बच्चे जेलों में क्यों बंद हैं, और दूसरी यह कि सरकार इस मामले में गम्भीर क्यों नहीं है? वे बच्चे जेलों में इसलिए बंद हैं, क्योंकि रोज़ी-रोटी कमाने के लिए विदेशों में गए थे, लेकिन पकड़ लिए गए। कुछ देशों ने इनको पाकिस्तान में धकेल दिया। मैं अभी पाकिस्तान जाकर आया हूं। मैंने वहां के प्रधानमंत्री एवं इंटीरियर मिनिस्टर और अपने हाई कमीशन से भी इस बारे में बात की थी। उनको मैंने ऐसे बच्चों और नौजवानों की लिस्ट भी दी, जिनकी सज़ा डेढ़-दो साल पहले खत्म हो चुकी है, लेकिन वे अभी भी वहां की जेलों में बंद हैं। हिन्दुस्तान के 6730 लोग विदेशी जेलों में बंद हैं। पाकिस्तान की जेलों में देश भर के लोग, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, चेन्नई आदि के लोग बंद हैं। यदि सरकार उनको छुड़ाने का कोई प्रयास नहीं करेगी, तो कहीं ये बच्चे देशहित में काम करने के बजाय, उन देशों में ऐसे काम न करने लग जाएं, जो हम नहीं चाहते हैं। इसलिए मैं सरकार से आपके द्वारा निवेदन करना चाहता हूं कि जल्दी से जल्दी इन बच्चों की रिहाई का इंतज़ाम करवाया जाए। इतना ही नहीं बहुत से फौजी पकिस्तान की जेलों में तब से बंद हैं, जब से हमारी पाकिस्तान के साथ लड़ाइयां हुई थीं। 1965 की लड़ाई को 40 वर्ा हो चुके हैं, लेकिन सरकार ने उनको छुड़ाने का कोई प्रयास नहीं किया है। यहां पर सरकार के प्रतिनिधि बैठे हैं। मैं आपके द्वारा सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि उन बच्चों के परिवारों की वेदना को समझिए। उन बच्चों की शारीरिक और मानसिक पीड़ा को समझिए। कई बच्चे पागल होने शुरू हो गए हैं, कई बच्चों के शरीर गलने शुरू हो गए हैं। उनके बिछोह में उनके मां-बाप पागल हो रहे हैं।

जहां कई बच्चे पागल होने शुरू हो गए हैं, वहीं उनके माता-पिता यहां पागल होने शुरू हो गए हैं। कृपया उन बच्चों को लाने का प्रयास जल्दी कीजिए। मैंने प्रधान मंत्री जी से समय लिया है। मैं उनको भी बताऊंगा कि पंजाब के उन बच्चों का क्या हाल हो रहा है। मैं समझता हूं कि यहां सरकार के जो प्रतिनिधि बैठे हैं, वे मेरी वेदना को सरकार तक जल्दी पहुंचाएंगे और बच्चे जल्दी अपने देश में वापिस आएंगे।

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEFENCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI BIJOY HANDIQUE): Sir, I will bring it to the attention of the hon. External Affairs Minister.

SHRI AVINASH RAI KHANNA (HOSHIARPUR): Thank you, Sir.